विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष द्वारा डी.ई.आई. का भ्रमण एवं निरीक्षण 1
'डी.ई.आई. की मूल्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सराहनीय'– प्रो.ए.पी.पाधी 2
युवा महोत्सव 2
युवा संसद 2
स्वतंत्रता दिवस 2
विश्व पर्यटन दिवस एवं पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम 3
संस्कृत संध्या 3
योग शिक्षा कार्यशाला 4
हिन्दी दिवस 4
सी–कार्ट, स्कूल ऑफ एजुकेशन शिक्षा संकाय द्वारा संचालित कार्यशालाएँ 4
प्रेम विद्यालय 7
स्काउटिंग–गाइडिंग एवं योग शिविर 7
एन.सी.सी. 8

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा (उ. प्र.)

डी.ई.आई. समाचार

अगस्त–दिसम्बर 2019
अंक 17

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष द्वारा दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट का भ्रमण एवं निरीक्षण

दिनांक 9 अक्टूबर 2019 को आर.बी. एस. कॉलेज के सामुदायिक महाविद्यालय के उद्घाटन के निमित्त आमंत्रित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. डी.पी. सिंह ने दयालबाग़ शिक्षण संस्थान का भ्रमण एवं निरीक्षण किया। आर. बी. एस. में दिए गए प्रो. डी. पी. सिंह के समस्त वक्तव्य को दयालबाग़ मल्टीमीडिया केन्द्र के द्वारा दयालबाग़ के सभी शिक्षण एवं शिक्षणेतर अधिकारियों के समक्ष प्रसारित किया गया। परमगुरू प्रो. पी.एस. सत्संगी साहब की गरिमामयी उपस्थिति के मध्य कुलपति प्रो. पी. के कालड़ा, कुलसचिव प्रो. आनंद मोहन, कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी एवं परीक्षा नियंत्रक श्री धीरज कुमार सहित समस्त डी.ई.आई. परिवार उनके उद्घाटन भाषण का साक्षी बना। प्रो. डी.पी.सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि 'देश की उच्च शिक्षा प्रणाली अगली पीढ़ी को सामाजिक रूप से उत्तरदायी नागरिक और नेता के रूप में तैयार करने में सक्षम होनी चाहिए, जिसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रणाली निर्मित कर रहा है।' प्रो. डी. पी. सिंह ने कहा कि प्रत्येक संस्थान का समाज और उद्योग से जुड़ाव हो सके, इसके लिए योजना बनाई गई है। अब प्रत्येक संस्थान कम से कम 5 गाँवों को ज्ञान के आदान–प्रदान और गाँवों की समग्र सामाजिक, आर्थिक बेहतरी के लिए अपनाएगा। उन्होंने कहा कि 'भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के सामाजिक दायित्व, सामुदायिक कार्य' विषय पर 30 घंटे का दो क्रेडिट का पाठ्यक्रम विकसित किया गया है। कम से कम पचास प्रतिशत पाठ्यक्रम सभी शिक्षा क्षेत्र के छात्रों के लिए अनिवार्य किया जाएगा। अपने दयालबाग़ भ्रमण के दौरान प्रो. सिंह ने संस्थान के सभी विभागों में संचालित शैक्षिक और सामाजिक गतिविधियों पर आधारित प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दयालबाग़ के दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में पौधारोपण भी किया। छात्रों द्वारा संचालित दुग्ध उत्पादन प्रभाग के साथ नौ अन्तर अनुशासनात्मक अनुसंधान प्रभागों, कौशल आधारित पाठ्यक्रमों– पॉट्री एण्ड सिरेमिक, परिधान विनिर्माण, कपड़ा एवं वस्त्र निर्माण, विद्युत वाहन, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि, चेतना अध्ययन केन्द्र, पुनश्चक्रण प्रबंधन आदि के निरीक्षण के उपरान्त प्रो. डी. पी. सिंह ने अपने भावोद्गारों में कहा कि– 'डी.ई.आई. द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में विभिन्न गतिविधियों, सेवाओं और उत्पादनों से मैं अत्यंत आनंदित हुआ। मैं प्रबंधन एवं संकायों द्वारा सामूहिक रूप से की जा रही रोजगारोन्मुख गतिविधियों से विशेष रूप से प्रभावित हुआ, सभी को मेरी बधाई।'

'डी.ई.आई. की मूल्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सराहनीय'–प्रो.ए.पी.पाधी

प्रो.ए.पी. पाधी कार्यकारी समिति सदस्य नैक ने 23–24 सितम्बर 2019 को दयालबाग़ शिक्षण संस्थान का भ्रमण किया। उन्होंने विभिन्न प्रयोगशालाओं में गतिविधियों एवं क्रियाकलापों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संस्थान की मूल्यपरक शिक्षा एवं गुणों की सराहना की । उन्होंने कहा मैं संस्थान द्वारा किए जा रहे गुणवत्तापूर्ण योगदान से अत्यधिक प्रभावित हूँ। विश्वविद्यालय का नवाचार अद्वितीय एवं दुर्लभ है, विभिन्न बाह्य गतिविधियां जीवन के मूल्यों को मूर्त रूप देती हैं। समाज की सेवा ईश्वर की सेवा है, यहाँ के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न क्षेत्रों में कर रहें हैं और सफलता भी प्राप्त कर रहे हैं। उत्कृष्टता एक यात्रा है न कि गन्तव्य। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता

हूँ कि यह विश्वविद्यालय शीघ्र ही शिखर पर पहुँच जाए। प्रो. पाधी के प्रेरणापरक शब्दों ने समस्त छात्रों और अध्यापकों का उत्साहवर्धन किया।

युवा महोत्सव

25 से 29 दिसम्बर 2019 तक गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्तरांचलिक युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। भारत के उत्तरांचल से लगभग समस्त विश्वविद्यालयों ने महोत्सव में उत्साहपूर्ण भागीदारी की। दयालबाग़ शिक्षण संस्थान का युवा समूह भी अपनी पूरी ऊर्जा के साथ महोत्सव में सम्मिलित हुआ। एकल शास्त्रीय गायन में द्वितीय, एकल शास्त्रीय वादन (सितार) में द्वितीय, एकल शास्त्रीय वादन (तबला) में पाँचवां स्थान, भारतीय समूह गायन में चतुर्थ स्थान, पाश्चात्य समूह गायन में

पाँचवां स्थान, पाश्चात्य एकल वादन में पाँचवां स्थान, वाद–विवाद में द्वितीय स्थान, और पोस्टर मेकिंग में पाँचवां स्थान प्राप्त कर युवा महोत्सव समूह ने समस्त विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया।

युवा संसद

13 अगस्त 2019 को दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के छात्रों द्वारा एक आदर्श विचार सम्पन्न गरिमामयी युवा संसद का प्रस्तुतिकरण किया गया। पक्ष और विपक्ष के रोचक विचारशील वाद–संवाद ने निर्णायकों को प्रभावित किया। स्वास्थ्य और शिक्षा को आधार बनाकर छात्रों द्वारा प्रस्तुत की गई प्रश्नोत्तरी देश की समस्याओं को न केवल सामने रखने वाली थी, अपितु उनका समुचित समाधान भी इस युवा संसद में प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि एवं निर्णायक माननीय प्रो. रामानाथन आई. आई.टी कानपुर, श्री ए. बी. आचार्य उपसचिव मिनिस्ट्री ऑफ पार्लियामेण्ट अफेयर्स, श्री ब्रतिन सेन गुप्ता भूतपूर्व एम.पी. ने युवा मंत्रियों के संतोषजनक उत्तरों एवं विपक्ष द्वारा उठाए गए ज्वलंत मुद्दों की सराहना की। संस्थान के निदेशक माननीय प्रो. पी.के कालड़ा ने निर्णायक मण्डल को स्मृति चिह्न प्रदान कर उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया। गृह मंत्री –साबिया जावेद को प्रथम, मेहर भटनागर–स्वास्थ्य एवं परिवार

कल्याण मंत्री, अपराजिता झा–एल.ओ.पी, रिया अग्रवाल–विपक्षीय सदस्य को द्वितीय, प्रधानमंत्री–सौरभ सत्संगी, विपक्षीय सदस्य–बी. शब्दप्यारी, वित्तमंत्री–अंशुल शर्मा, विपक्षीय सदस्य अभिषेक उपाध्याय को तृतीय पुरस्कार की घोषणा की गई। समस्त आयोजन डॉ. सोना आहूजा के समन्वयन में उनकी समस्त युवा संसद कार्यकारिणी के द्वारा सम्पन्न किया गया।

स्वतंत्रता दिवस

73 वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन डी.ई.आई. प्रांगण में प्रत्येक वर्ष की भांति उत्साह एवं हर्ष के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि एस.एस.पी. आगरा बबलू कुमार को राष्ट्रीय कैडेट कोर के छात्रों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। छात्रों द्वारा किए गए परेड में प्रेमविद्यालय एवं टेक्नीकल कॉलेज ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

किया। सुपरमैन स्कीम के बच्चों को विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। एस.एस.पी. आगरा बबलू कुमार ने संस्थान की गुणवत्ता युक्त मूल्यपरक शिक्षा नीति की सराहना की। संस्थान के निदेशक प्रो. पी. के कालड़ा ने नैक द्वारा प्रदान A+ ग्रेड से मिलने वाले लाभों का वर्णन करते हुए सभी को साधुवाद दिया। इस अवसर पर सभी शिक्षण एवं शिक्षणेतर अधिकारी एवं शिक्षक, छात्र एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्व पर्यटन दिवस एवं पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम

आगरा, 27 सितम्बर, 2019, 'पर्यटन न सिर्फ रोज़गार के अनेक अवसर पैदा करता है, बल्कि सांस्कृतिक समृद्धि को भी गति देता है।' उक्त विचार विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर आयोजित हेरिटेज वॉक में शामिल विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सीओ, ताज सुरक्षा एवं पर्यटन नोडल ऑफिसर श्री मोहसिन खान ने अपने वक्तव्य में व्यक्त किए। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन के छात्र–छात्राओं ने पर्यटन जागरूकता रैली एवं हेरिटेज वॉक का आयोजन किया। हेरिटेज वॉक में पर्यटन पुलिस, आगरा का सहयोग मिला। "पर्यावरण बचाओ–पर्यटन बढ़ाओ" के संदेश के साथ यह हेरिटेज वॉक आगरा के लाल किला से प्रारम्भ होकर ताजमहल के पश्चिमी गेट, ताजगंज, पूर्वी गेट होते हुए शिल्पग्राम तक पहुंची। इस रैली का उद्देश्य लोगों को आगरा के पर्यटन और उसके महत्त्व के बारे में जागरूक करना था। इस रैली में लगभग सौ से अधिक विद्यार्थियों ने ऊर्जा एवं उत्साह के साथ हिस्सा लिया। रैली के बीच मिलने वाले विदेशी पर्यटकों को माला पहनाकर, पुष्पगुच्छ आदि देकर स्वागत भी किया गया। आगरा हेरिटेज वॉक की संचालिका नेहा चतुर्वेदी ने आगरा जैसे पुराने शहरों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हेरिटेज वॉक जैसे आयोजनों के महत्त्व को बताया। विद्यार्थियों द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

09 दिसम्बर, 2019 को पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से दो दिवसीय पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दयालबाग़ समाधि के आसपास विभिन्न तरह के रोज़गार और व्यवसाय से जुड़े अप्रशिक्षित लोगों को पर्यटन के प्रति जागरूक करने और उन्हें पर्यटकों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए आदि महत्त्वपूर्ण बातों को सिखाया गया। इस कार्यशाला में कुल 45 लोगों को प्रशिक्षित किया गया और प्रमाण–पत्र भी वितरित किए गए। कार्यक्रम संयोजक डॉ बृजराज सिंह ने बताया कि पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार आगरा एवं देश के अन्य पर्यटन सिलों पर जिन लोगों की जीविका किसी भी पर्यटन स्थल से जुड़ी हुई है, वे इस योजना का लाभ ले सकते हैं।

संस्कृत संध्या

संस्कृत विभाग में दिनांक 4–5 सितंबर 2019 को संस्कृत संध्या और संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। दोनों ही दिन विभागीय छात्र–छात्राओं ने अपनी स्वरचित कविता, श्लोक तथा भाषण के माध्यम से संस्कृत और संस्कृत दिवस की उपयोगिता पर विचार किया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. उर्मिला आनंद का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। संस्कृत संध्या पर विभागाध्यक्ष प्रो. अगम कुलश्रेष्ठ ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन दिया और प्रत्येक 3 माह में होने वाले इस कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। प्रो. मीरा शर्मा ने संस्कृत दिवस की महत्ता और वैज्ञानिकता को रेखांकित करते हुए उपस्थित सभी जनों को प्रेरित किया, सभी विभागीय प्राध्यापकों ने संस्कृत से संदर्भित वक्तव्य दिए। संस्कृत संध्या कार्यक्रम का संचालन शोध छात्र श्री गौरव गौतम ने किया और संस्कृत दिवस कार्यक्रम का संचालन शोध छात्र श्री भूपेंद्र गौतम ने किया। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के सभी छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

योग शिक्षा कार्यशाला

संस्कृत विभाग द्वारा 9 सितंबर 2019 को कला संकाय में योग शिक्षा पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रो. अगम कुलश्रेष्ठ, विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग इस कार्यशाला की संयोजक थीं उन्होंने योगविभाग की आवश्यकता पर चर्चा की। विशेषज्ञ डॉ. बीना गुप्ता ने योग दर्शन पर अपने विचार व्यक्त किए। श्री योगेश, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ने प्राकृतिक चिकित्सा और विभिन्न आसन, प्राणायाम मुद्रा आदि के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी दी। प्रो. पी. श्रीराममूर्ति ने सुरत शब्द योग पर चर्चा की और इसे पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने का प्रस्ताव रखा। डॉ. सिद्धार्थ अग्रवाल ने योग अभ्यासों के द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताया। प्रधानाचार्य आयुष, डॉ. रजनीश शर्मा ने आयुर्वेद के महत्त्व के बारे मे चर्चा की। पूर्व विभागाध्यक्ष संस्कृत प्रो. उर्मिला आनन्द, प्रो नंदिता सत्संगी (शिक्षा संकाय), डॉ. निशीथ गौड़, डॉ. अनीता, डॉ. कल्पना (शिक्षा संकाय) और रूबीना सक्सेना ने भी कार्यशाला में अपने विचार प्रस्तुत किए।

हिन्दी दिवस

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिन्दी दिवस 14 सितम्बर 2019 के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रथम दिवस 13 सितम्बर को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। लगभग 250 प्रतिभागियों ने निबंध, कविता पोस्टर, कविता लेखनादि प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को प्रमाणपत्र सहित क्रमशः 1000, 750, 500 रुपए मूल्य की किताबें पुरस्कार रूप में दी गईं। द्वितीय दिवस ज्ञान के विविध क्षेत्र और हिंदी विषय पर मुख्य अतिथि प्रो. संतोष भदौरिया, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि–'हिंदी को व्यावहारिक भाषा के रूप में विकसित करने की ज़रूरत है, जिससे की हिंदी बोलने वाले लोगों में आत्मविश्वास पैदा हो।' विशिष्ट अतिथि एवं पूर्व संकाय प्रमुख प्रो. एस. के. चौहान ने कहा कि–'हिंदी को अपनी सहायक बोलियों को आत्मसात् करते हुए आगे बढ़ना होगा।' आयोजन के अध्यक्ष एवं कला संकाय प्रमुख

प्रो. जे. के. वर्मा ने कहा कि–'हमें अधिक से अधिक भाषाओं को सीखना चाहिए।' हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. शर्मिला सक्सेना ने अतिथियों का विधिवत् स्वागत किया एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. रंजना पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दयालप्यारी सिन्हा के द्वारा दिया गया। इस अवसर पर समस्त हिंदी विभाग एवं हिंदी विभाग के शोधार्थी उपस्थित थे। समस्त कार्यक्रम का संयोजन डॉ. बृजराज कुमार सिंह ने किया।

सी–कार्ट, स्कूल ऑफ एजुकेशन शिक्षा संकाय द्वारा संचालित कार्यशालाएँ

सी–कार्ट–स्कूल ऑफ एजुकेशन शिक्षा संकाय, डी. ई.आई. दयालबाग़, आगरा द्वारा पण्डित मदनमोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एण्ड टीचिंग मानव विकास मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत विभिन्न महत्त्वपूर्ण कार्यशालाएं आयोजित की गईं–

1. मननशील अभ्यास कार्य पर एक दिवसीय कार्यशाला

शिक्षा संस्थान में कन्टैम्पलेटिव प्रैक्टिसिस अर्थात् 'मननशील अभ्यास कार्य' पर कार्यशाला का आयोजन 26.10. 2019 को किया गया। प्रथम सत्र का संचालन डॉ. मनु शर्मा ने किया। डॉ. कल्पना गुप्ता ने अष्टांग योग के विषय में बताया तथा डॉ. संगीता सिन्हा ने प्रतिभागियों को योगासनों का प्रायोगिक अनुभव प्रदान किया। दूसरे सत्र का संचालन डॉ. सोना आहूजा ने किया। डॉ. दयालप्यारी श्रीवास्तव ने क्वान्टम कम्प्यूटिंग से सम्बन्धित शोध कार्य को प्रस्तुत किया तथा प्रो. सी.एम. मार्कन ने चक्र ध्यान के भौतिक परिणाम को प्रस्तुत किया। डॉ. अमला चोपड़ा तथा डॉ. सोना आहूजा ने कन्टैम्पलेटिव प्रैक्टिसिस पर व क्वान्टम कम्प्यूटिंग पर विचार प्रस्तुत किए। तीसरे सत्र में प्रो. सी. एम. मार्कन ने विशेषज्ञ डॉ. अविवा बर्कोविच ओहाना, शिक्षा संकाय, हायफा विश्वविद्यालय, इज़रायल का परिचय दिया। डॉ. अविवा ने स्व–चेतना व ध्यान पर तंत्रिका वैज्ञानिक अध्ययन प्रस्तुत किए।

2. कैलीग्राफी एण्ड पोस्टर मेकिंग पर पाँच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

शिक्षा संकाय, द्वारा 1 अगस्त से 5 अगस्त 2019 तक "कैलीग्राफी एण्ड पोस्टर मेकिंग" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन प्रो. अर्चना कपूर तथा प्रोफेसर नंदिता सत्संगी के निर्देशन में किया गया। डॉ. आनन्द शर्मा, राजकीय कला महाविद्यालय, चण्डीगढ़ ने 'इन्ट्रोडक्शन टू कैलीग्राफी एण्ड पोस्टर मेकिंग' पर वक्तव्य प्रस्तुत किया। डॉ. मीनाक्षी ठाकुर, कला संकाय ने 'हिस्टोरिकल ओवरव्यू ऑफ कैलीग्राफी' पर चर्चा की। प्रो. शिवेन्द्र सिंह पूर्व प्रोफेसर कला संकाय ने आर्ट ऑफ कैलीग्राफी का प्रदर्शन किया तथा प्रतिभागियों को कैलीग्राफी का अभ्यास कराया। ललित कला संस्थान के प्रो. मनोज कुमार ने सभी प्रतिभागियों को कक्षा

में पढ़ाने के उद्देश्य से पोस्टर तैयार करने की विभिन्न गतिविधियाँ करायीं। डॉ. आनन्द जैसवाल (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय) के साथ प्रतिभागियों ने कार्ड व बैनर बनाने का अभ्यास किया गया। डॉ. अब्दुर रहमान (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय) द्वारा पोस्टर एण्ड सोशल अवेयरनेस पर पोस्टर बनाने का अभ्यास कराया गया। कार्यशाला के अन्तिम दिवस वक्ता डॉ. कुमार जिगीषु कॉलेज ऑफ आर्ट,दिल्ली ने 'इन्ट्रोडक्शन टू कैलीग्राफी एण्ड पोस्टर मेकिंग' पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

प्रतिभागियों द्वारा बनाये गये पोस्टरों तथा कार्डों की प्रदर्शनी लगाई गई एवं प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किये गये। डॉ. कल्पना गुप्ता–समन्वयक, ज्योतिका–खरबन्दा–सहसमन्वयक ने कार्यशाला का सफल संचालन किया। प्रो. ए.के. कुलश्रेष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं विद्यालयों के 154 प्रतिभागियों ने सफल भागीदारी की।

3. कला प्रदर्शन (संगीत) के द्वारा शिक्षा में व्याख्यान व प्रदर्शन

दो दिवसीय कला प्रदर्शन (संगीत) के द्वारा शिक्षा में व्याख्यान व प्रदर्शन का आयोजन स्कूल ऑफ एजुकेशन शिक्षा संकाय, में अगस्त 28 तथा 29 2019 तक अन्तर्राष्ट्रीय सभागार डी.ई.आई. में किया गया। प्रतिभागियों को संगीत की आधारभूत जानकारी देना तथा संगीत को शिक्षण अधिगम से जोड़ना इसका उद्देश्य था। डॉ. गौतम घोष, पूर्व विभागाध्यक्ष, संगीत विभाग, रविन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता ने अपने व्याख्यान में बताया कि संगीत का प्रयोग करके कक्षागत शिक्षण अधिगम को कैसे प्रभावी बनाया जा सकता है। डॉ. केशव तलेगाँवकर ने अपने वक्तव्य में कक्षागत शिक्षण के लिए जागरूकता पर किस प्रकार के गीत बनाए जा सकते हैं विषय पर प्रकाश डाला।

व्याख्यान व प्रदर्शन के दूसरे दिन प्रो. विभा निगम, एमेरिटस प्रोफेसर, शिक्षा संकाय ने अपने वक्तव्य में बताया कि विभिन्न विषयों में संगीत को कैसे एकीकृत किया जा सकता है। द्वितीय सत्र में डॉ. गौतम तिवारी संगीत विभाग ने राग घराना, बंदिश, ताल रस आदि की आधारभूत जानकारी दी। अगले सत्र में डॉ. चैतन्य कुन्ठे, सावित्री बाई फूले, पूने विश्वविद्यालय ने शरीर आघात विधि का प्रयोग संगीत एकीकरण में प्रदर्शित किया। अन्तिम सत्र श्रीमती ज्योति खण्डेलवाल, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा ने नृत्य–शिक्षण संबंध पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।कार्यक्रम में 190 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मीनू सिंह व श्री उमेश सोन थे।

4. राष्ट्रीय स्तर पर तंत्रिका विज्ञान व मस्तिष्क अधिगम पर दो दिवसीय व्याख्यान प्रदर्शन

तंत्रिका विज्ञान व मस्तिष्क आधारित अधिगम पर दो दिवसीय व्याख्यान प्रदर्शन का आयोजन शिक्षा संकाय में सितम्बर 21–22, 2019 तक अन्तर्राष्ट्रीय सभागार में किया गया।

डॉ. विभा शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर आई.एच.बी.ए.एस., नई दिल्ली ने अपने मुख्य वक्तव्य में मस्तिष्क आधारित अधिगम के बहुत से सिद्धान्त बताए व इन सिद्धान्तों को कक्षागत अधिगम के साथ सम्बद्ध किया। प्रो. सी.एम. मार्कन, विज्ञान संकाय ने अपनी अध्यक्षीय टिप्पणी में कहा कि ध्यान निर्णयन में तथा द्वन्द्व समाधान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रो. एस.पी. सिन्हा, ने अपनी अध्यक्षीय टिप्पणी में बताया कि संज्ञानात्मक व मेटा संज्ञानात्मक रणनीतियाँ स्मृति को संशोधित करते हैं। डॉ. अमला चोपड़ा ने अधिगम के तंत्रिका मनोवैज्ञानिक संदर्भ में चर्चा की। प्रो. शिक्षा दीक्षित, विभागाध्यक्ष, डिपार्टमेन्ट ऑफ ह्यूमैनिटीज़ एण्ड सोशल स्टडीज़ आई.आई.टी. कानपुर ने स्कीमा आधारित अधिगम की चर्चा की। प्रो. इरा दास, प्रोफेसर एमेरिटस, डी.ई.आई. ने दृश्य प्रक्रिया प्रणाली पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रो. अशोक सहाय, डिपार्टमेंट ऑफ एनाटॉमी किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ ने मस्तिष्क की संरचना व कार्य पर प्रकाश डाला। अन्तिम सत्र में प्रतिभागियों ने पोस्टर रंगोली, क्ले के द्वारा मस्तिष्क आधारित अधिगम का प्रदर्शन किया।

5. पर्यालोचन 2019 : डेलीबरेशन बाई लीडर्स इन एजुकेशन (शिक्षा पर नेतृत्वकर्त्ताओं के विचार विमर्श)

राष्ट्रीय कार्यशाला, पर्यालोचन 2019 का आयोजन शिक्षा संकाय में 19–20 अक्टूबर 2019 तक अन्तर्राष्ट्रीय सभागार डी.ई.आई. में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य – शिक्षा नीतियों पर विचार करना था। कार्यशाला के प्रथम दिन प्रो. अर्चना कपूर, शिक्षा संकाय प्रमुख के द्वारा स्वागत सम्बोधन दिया गया। प्रो. नंदिता सत्संगी ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। प्रो. के रामचन्द्रन, के द्वारा उद्घाटन सम्बोधन दिया गया। प्रो. पी.के. कालड़ा, निदेशक, दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के द्वारा अध्यक्षीय टिप्पणी प्रस्तुत की गई।

प्रथम सत्र के विषय 'उच्च शिक्षा' पर प्रो. एन.सी. गौतम कुलपति, महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने मुख्य संबोधन दिया। डॉ. के. दया, डीन प्लानिंग तथा डॉ. पारुल भटनागर ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। पैनल चर्चा के अन्तर्गत प्रो. ए.के. पुजारी, कुलपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान अजमेर, प्रो. डी. एन. जौहर, पूर्व कुलपति, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा प्रो. के.वी.एस.एम. कृष्णा, कुलपति, मंगलायतन यूनिवर्सिटी व प्रो. स्वतन्त्र, आई.आई.एम. इन्दौर ने भाग लिया।द्वितीय सत्र में 'विद्यालय शिक्षा' पर मुख्य संबोधन देते हुए 'प्रेजेन्टेशन ऑन वैल्यू बेस्ड इनीशियेटिव्ज़ इन स्कूल एजुकेशन' पर स्वामी परमात्मानन्द अध्यक्ष छत्तीसगढ़ संस्कृत बोर्ड, रायपुर द्वारा प्रकाश डाला गया। वैल्यू बेस्ड क्वालिटी एजुकेशन फॉर होलिस्टिक डेवेलपमेंट विषय पर डॉ. सोना आहूजा व प्रो. नंदिता सत्संगी, ने प्रकाश डाला। पैनल चर्चा के अन्तर्गत प्रो. सरोज शर्मा–फाउन्डर डीन, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन, गुरु गोविन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, प्रो.

अमिता भारद्वाज, श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय, डॉ. जुबली पदमनाभान, केन्द्रीय विश्वविद्यालय पंजाब (सी.बी. एस.ई.के प्रतिनिधि) ने भाग लिया।

20.10.2019 के तीसरे सत्र में प्रो. अजय सक्सैना, अभियांत्रिकी, डॉ.पी.के.दन्तु, डॉ. प्रेमशंकर, हिन्दी विभाग ने डी.ई.आई. में कौशल आधारित शिक्षा पर विचार प्रस्तुत किए। प्रो. सुन्दरलाल, पूर्व कुलपति, पूर्वांचल यूनिवर्सिटी, प्रो. आनन्द मोहन अग्रवाल, उप पूर्व कुलपति तथा निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट जी.एल.ए. यूनिवर्सिटी, मथुरा, श्री जयन्त दास प्रबन्ध निदेशक, प्रीमैरा स्किल्ज़ एण्ड ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड, प्रो. एच.सी. पुरोहित दून यूनिवर्सिटी व प्रो. के.सी. वशिष्ठ पूर्व शिक्षा संकाय प्रमुख, पैनल में थे। प्रो. एन.पी.एस. चन्देल शिक्षा संकाय, ने पैनल चर्चा का समन्वयन किया। भोजनोपरान्त प्रो. मज़हर आज़िफ़, जे.एन.यू. तथा एन.पी.ई. 2019 ड्राफ्ट के सदस्य द्वारा एक विशेष वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। प्रो. पी.के. कालड़ा, निदेशक, दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ने शिक्षा की गुणवत्ता के लिए शिक्षक के कर्त्तव्य एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

तीसरे सत्र का मुख्य सम्बोधन वीडियो संभाषण के द्वारा प्रेजेन्टेशन ऑन स्किलिंग एण्ड एन्टरप्रेन्यूरल इनीशियेटिव्ज़ एट डी.ई.आई. पर दिया गया। प्रो. मज़हर आज़िफ़, सेन्टर ऑफ पर्शियन एण्ड सेन्ट्रल एशियन स्टडीज़ के द्वारा विशिष्ट संभाषण दिया गया। चतुर्थ सत्र के विषय टेक्नोलॉजी इन एजुकेशनल के उप विषय एडवांस टेक्नोलॉजिकल इन्टरवेंशन तथा सिस्टम एप्रोच इन एजुकेशन रखे गए। इस सत्र में डॉ. डी.एस.वी.जी. के कलाधर विभागाध्यक्ष, बायोइन्फॉर्मेटिक्स विभाग अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी बिलासपुर, प्रो. गुरुसरन, प्रो. सी. पटवर्धन, प्रो. सी.एम. मार्कन, ने कार्यशाला के इस सत्र में अपने विचार व्यक्त किए। पैनल चर्चा के अन्तर्गत डॉ. एस.आर. पाण्डियन, समन्वयक, टी.एल.सी., आई.आई.टी.डी.एम., कांचीपुरम्, श्री शरतचन्द्र, संस्थापक निदेशक, बटरफ्लाई फील्ड्ज (एजुकेशनल टेक्नोलॉजी), हैदराबाद, प्रो. संजीव कुमार, पूर्व निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, डी.बी.आर.ए.यू., आगरा, श्री विक्रान्त सत्संगी, वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबन्धक – एजुकेशन एण्ड स्किल डेबेलपमेंट ए.डी.ओ.बी.ई ने भाग लिया। कार्यशाला के चतुर्थ सत्र का मुख्य सम्बोधन का शीर्षक प्रेजेन्टेशन ऑन आई.टी. इनीशियेटिव्ज़ इन डी.ई.आई. तथा प्रेजेन्टेशन ऑन सिस्टम एप्रोच इन डी.ई.आई. रहा।

अन्तिम सत्र में डॉ. सोना दीक्षित एवं सुश्री मुग्धा शर्मा, समन्वयक के द्वारा कार्यशाला की संक्षिप्त आख्या प्रस्तुत की गई। प्रो. के. रामचन्द्रन, (परामर्शदाता, NIEPA) तथा प्रो. मज़हर आज़िफ़, सेन्टर ऑफ परशियन एण्ड सेन्ट्रल एशियन स्टडीज के द्वारा विशेषज्ञ टिप्पणी दी गई। श्रीमती ज्योतिका द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

6. मस्तिष्क आधारित अधिगम पर तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम

तीन दिवसीय मस्तिष्क आधारित अधिगम पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन स्कूल ऑफ एजुकेशन, शिक्षा संकाय, में अक्टूबर 21–23, 2019 तक अन्तर्राष्ट्रीय सभागार, डी.ई.आई. में किया गया। प्रो. नंदिता बाबू, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने प्रमुख वक्तव्य में मस्तिष्क आधारित अधिगम पर प्रकाश डाला। श्री रविन्दर सिंह, विद्यालय जिला निरीक्षक, आगरा ने सत्र की अध्यक्षता की व उन्होंने शिक्षकों के लिए सम्प्रेषण कौशल को महत्त्वपूर्ण बताया। द्वितीय सत्र में प्रो. नंदिता बाबू ने अधिगम मस्तिष्क पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रो. पी.के. सिन्हा, प्रोफेसर एमेरिटस ने अध्यक्षीय टिप्पणी प्रस्तुत की। डॉ. अरुण सिकरवार, ने मस्तिष्क संरचना व कार्य पर प्रकाश डाला। प्रो. सी.एम. मार्कन, भौतिक विज्ञान विभाग ने सत्र की अध्यक्षता की।

दूसरे दिन प्रो. कमलजीत संधु, संकाय प्रमुख, समाज विज्ञान संकाय ने मस्तिष्क आधारित अधिगम की प्रत्ययात्मक संरचना प्रस्तुत की। प्रो. डी. वसंता, शिक्षा संकाय ने सत्र की अध्यक्षता की। द्वितीय सत्र में डॉ. सी. तुलसी, क्लीनिकल एण्ड रीहैबिलिटेशन साइकॉलिजी, वाराणसी ने डिफरेन्शियल रिलेक्सेशन प्रतिक्रिया को प्रभावी शिक्षण तकनीक कहा। डॉ. सोना आहूजा ने सत्र की अध्यक्षता की। अगला सत्र प्रशिक्षण सत्र था। जिसकी अध्यक्षता डॉ. सी. तुलसी ने की। सत्र का प्रस्तुतीकरण प्रो. सविता श्रीवास्तव, शिक्षा संकाय ने किया।

तीसरे दिन डॉ. कर्निका व्यास, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजूकेशन एण्ड रिसर्च ने मस्तिष्क आधारित अधिगम पर अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया। प्रो. भारती बावेजा, पूर्व संकाय प्रमुख शिक्षा संकाय, सी. आई. ई. दिल्ली विश्वविद्यालय ने मस्तिष्क आधारित रणनीतियों के विषय में वक्तव्य दिया। प्रो. लाजवन्ती शिक्षा संकाय ने सत्र की अध्यक्षता की। प्रो. एस.पी. सिन्हा ने मानस मानचित्रण व प्रत्यय मानचित्रण तकनीक की शिक्षण अधिगम में महत्ता पर प्रकाश डाला। सत्र की अध्यक्षता प्रो. रंजीत कौर सत्संगी, प्रोफेसर एमेरिटस, शिक्षा संकाय ने की। प्रो. एन.पी.एस. चन्देल समवन्यक ने कार्यशाला की रिपोर्ट पढ़ी तथा सहसमन्वयक प्रो. ए.के. कुलश्रेष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में 160 शिक्षकों व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

2 अक्टूबर तालीम दिवस

आगरा, 2 अक्टूबर 2019, दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट ने राष्ट्रीय सेवा योजना की तरफ से गाँधी जी की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में 2 अक्टूबर को गाँधी और पर्यावरण विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। 2 सितम्बर से प्रारंभ होकर 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस समारोह का समापन विज्ञान संकाय सभागार में किया गया। सर्वप्रथम प्रातः 6 बजे से ही दयालबाग़ मुख्यद्वार से लेकर हीराबाग़ तक तथा पुनः हीराबाग़ से मुख्यद्वार तक 'क्विट इण्डिया प्लॉग रन का आयोजन डॉ. अशोक जान्गिड, एवं डॉ. रंजीत के द्वारा किया

गया और स्वयं सेवकों ने स्वच्छता संबंधी कार्य सम्पन्न किए। इस समयावधि में गाँधी के विचारों को आधार बनाकर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं कराई गईं एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 200 यूनिट रक्तदान किया गया। इस अवसर पर राजनीति शास्त्र विभाग आगरा कॉलेज के डॉ. शशिकान्त पाण्डेय ने कहा कि–'गाँधी से भले ही राजनैतिक स्तर पर असहमतियाँ हों लेकिन मनुष्यता, भाईचारा, मनुष्य प्रकृति के रिश्ते आदि पर गाँधी के विचार आज पहले से ज्यादा प्रासंगिक हैं।' आगरा कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के डॉ. प्रियम अंकित ने कहा कि–'गाँधीजी तकनीक के विरोधी नहीं थे बशर्ते कि वह तकनीक मनुष्य और पर्यावरण विरोधी न हो।' कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कुलसचिव प्रो. आनंद मोहन ने की उन्होंने कहा कि– दयालबाग़ अपनी स्थापना के दिनों से ही गाँधी के विचारों का अनुसरण करता आया है। डॉ. बृजराज सिंह ने कार्यक्रम का सफल एवं रोचक संचालन किया। माह भर में हुईं समस्त प्रतियोगिताओं में विजयी छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. सौरभ मणि ने किया, इस अवसर पर सभी एन. एस.एस. अधिकारी उपस्थित थे।

छात्रोपलब्धि–कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी संस्थान द्वारा हिन्दी दिवस पर आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में 120 प्रतिभागियों के मध्य डी.ई.आई. आगरा की शोध छात्रा सदफ इश्त्याक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा काव्य गोष्ठी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हिन्दी दिवस सप्ताह समारोह के तहत संस्कार भारती आगरा द्वारा आयोजित काव्य पाठ में भी सदफ इश्त्याक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आगरा साहित्य 2019 द्वारा आयोजित काव्य गोष्ठी में शोधार्थिनी सदफ इश्त्याक को 'गैस्ट ऑफ ऑनर' दिया गया।

प्रेम विद्यालय

संविधान दिवस

देश में हर वर्ष 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाया जाता है। प्रेमविद्यालय की सुबह की सभा में छात्राओं को संविधान अनुपालन की शपथ दिलाई गई साथ ही छात्राओं ने संविधान दिवस के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला।

निबंध लेखन तथा ड्राइंग–पेंटिंग प्रतियोगिता

8 दिसम्बर 2019 को 'स्फीहा' द्वारा आयोजित 'इंटर स्कूल ड्राइंग और पेटिंग का वार्षिक कार्यक्रम प्रिल्यूड पब्लिक स्कूल में आयोजित किया गया। प्रेम विद्यालय की छात्राओं ने भी बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और कई पुरस्कार जीते। विद्यालय की छात्राओं द्वारा कव्वाली की प्रस्तुति भी की गई। निबंध प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा–यशिका पाठक (दसवीं–डी)–प्रथम स्थान (हिंदी निबंध), साक्षी गोयल (ग्यारहवीं–सी)–सांत्वना (अंग्रेजी निबंध), गौरी यादव (नौवीं–सी)–द्वितीय स्थान (हिंदी निबंध) ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता के परिणाम–महिमा प्रसाद (ग्यारहवीं–सी)–तृतीय स्थान, कक्षा आठ की सूरत भूषण और तमन्ना सत्संगी को कैमल टैलेंट रिकॉग्निशन अवार्ड मिला।

विद्यालय का वार्षिकोत्सव समारोह

12 दिसम्बर 2019 को विद्यालय का वार्षिक समारोह परम श्रद्धेय ग्रेशियस हुजूर प्रो. प्रेम सरन सत्संगी साहब और रानी साहिबा की पावन उपस्थिति में खेतों की पुण्यभूमि पर आयोजित किया गया। यह एक अद्भुत और शानदार दिन था क्योंकि डी.ई.आई. बोर्ड और दयालबाग़ से जुड़े छह स्कूल के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सर्वप्रथम छात्राओं के शब्द पाठ के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया तत्पश्चात ग्रेशियस हुजूर के समक्ष अनुशासनात्मक मार्च–पास्ट करते हुए छात्र–छात्राओं तथा स्टाफ के सदस्यों ने प्रसाद ग्रहण किया।

स्काउटिंग–गाइडिंग एवं योग शिविर

30.10.2019 से 03.11.2019। शिक्षा संकाय, दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग़, आगरा में पाँच दिवसीय स्काउटिंग गाइडिंग एवं योग शिविर का आयोजन 30.10.2019 से 03.11.2019 तक किया गया।

30 नवम्बर 2019 को योग शिविर के बाद विद्यार्थियों को स्काउटिंग–गाइडिंग से सम्बन्धित गतिविधियां कराई गईं। 31 नवम्बर 2019 को कार्यक्रम संयोजिका प्रो. गुरुप्यारी के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि श्री जी.एस. सूद, जूनियर वाइस प्रेसिडेंट, राधास्वामी सत्संग सभा, दयालबाग़ तथा अन्य सभी आगन्तुकों का स्वागत गीत के साथ स्वागत किया गया, तत्पश्चात मुख्य अतिथि के द्वारा झण्डारोहण किया गया। प्रो. पी. एस. त्यागी ने स्काउटिंग– गाइडिंग एवं योग शिविर कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जी. एस. सूद ने आयोजित शिविर के संदर्भ में अपने उद्गार प्रस्तुत

किए स्काउट्स व गाइड्ज को आशीर्वचन दिए।1 नवम्बर 2019 की विद्यार्थी पदयात्रा करते हुए जमुना पम्प पहुँचे। यहाँ उन्होंने टैण्ट लगाए व भोजन बनाया। 2 नवम्बर, 2019 को योग प्रतियोगिता आयोजित की गई।

स्काउटिंग–गाइडिंग एवं योग शिविर के अन्तिम दिन 03 नवम्बर, 2019 को दीक्षा कार्यक्रम का प्रारम्भ प्रार्थना, स्काउटिंग–गाइडिंग झण्डा गान व दयालबाग़ झण्डा गान से किया गया। प्रो. एन.पी.एस. चंदेल ने मुख्य अतिथि प्रो. एस.एस. भोजवानी का परिचय दिया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी को मंत्रमुग्ध किया। पाँच दिवसीय स्काउटिंग–गाइडिंग एवं योग शिविर की संक्षिप्त आख्या प्रो.पी.एस. त्यागी के द्वारा प्रस्तुत की गई।प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए।

इसके बाद मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को विधिवत् रूप से स्काउट व गाइड की प्रतिज्ञा दिलायी व उनको दीक्षा प्रदान की। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. आरती सिंह के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

एन.सी.सी.

रक्तदान शिविर—संस्थान की एन.सी.सी. इकाई ने एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन बैडमिंटन हॉल में किया। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर मनोज मोहन, ग्रुप कमाण्डर, एन.सी.सी. आगरा थे, डी.ई.आई. टेक्निकल कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री वी.पी. मल्होत्रा ने मुख्य अतिथि का विधिवत् स्वागत किया। ब्रिगेडियर मनोज मोहन ने शिविर का उद्घाटन किया और रक्तदान करने के लिए प्रेरणा दी। इस अवसर पर कर्नल ओ.पी. पाण्डेय की उपस्थिति ने कैडेट्स का मनोबल बढ़ाया। संस्थान के प्रधानाचार्य श्री वी.पी. मल्होत्रा ने रक्तदान के महत्त्व को बताया। दयालबाग़ के भूतपूर्व एन.सी.सी. अधिकारी मेजर प्रीतम सिंह ने एन.सी.सी. कैडेट्स के परिश्रम एवं समर्पण की सराहना की डी.ई. आई. के एन.सी.सी. अधिकारी लेफ्टिनेंट मनीष कुमार ने बताया कि संस्थान की एन.सी.सी. इकाई का ये पाँचवाँ रक्तदान शिविर है जिसको मानव सेवा चैरिटेबिल ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया है। शिविर में ब्लड कनेक्ट फाउण्डेशन संस्था ने भी अपनी प्रतिभागिता दी और शिविर के दौरान नए रक्तदाताओं को प्रेरित किया।

वृक्षारोपण—मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी द्वारा लिए गए 12 लाख पौधारोपण के संकल्प में दयालबाग़ शिक्षण संस्थान की एन.सी.सी. इकाई ने नगर पंचायत दयालबाग़ तथा गैर सरकारी संस्थान स्फीहा के साथ मिलकर दयालबाग़ गौशाला में वृक्ष महाकुम्भ में अपनी सहभागिता दी। इस अवसर पर एन.सी.सी के कैडेट्स ने हर्बल तथा छायादार पौधे रोपे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत दयालबाग़ की अध्यक्ष श्रीमती गुरुप्यारी मेहरा ने की तथा छात्र कैडेट्स से वृक्षारोपण की इस कड़ी को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर स्फीहा के सचिव पी.के. सहगल, कर्नल आर.के. सिंह, मेजर प्रीतम सिंह, एन.सी.सी. कैडेट सूरज गौतम, आशीष गौतम, सचित सिंह, स्नेहा आदि ने भी वृक्षारोपण महाकुम्भ में अपना योगदान दिया।

सम्पादकीय मण्डल

संरक्षक : • प्रो. पी.के. कालड़ा
परामर्शक : • प्रो. जे.के. वर्मा
सम्पादक : • डॉ. नमस्या
सहायक सम्पादक : • डॉ. निशीथ गौड़
• डॉ. सूरज प्रकाश
सम्पादन सहयोग : • डॉ. कविता रायजादा
• श्री अमित जौहरी

समाचार संयोजक :
• श्री अतुल सूरी
• डॉ. रचना गुप्ता
• डॉ. बीरपाल सिंह ठेनुआ
• श्री मयंक कुमार अग्रवाल
• श्रीमती सीता पाठक
• डॉ. अभिमन्यु
• डॉ. राजीव रंजन
• डॉ. आरती सिंह
• श्री मनीष कुमार